22.07.24

Tender Heart High School, Sector -33-B, Chandigarh.

कक्षा- दसवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण - नौं, दस

उपविषय - लोकोक्ति पर आधारित कहानी एवं पुनरावृत्ति (वाच्य)

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा दसवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौं एवं दस की पृष्ठ संख्या - 88 पर दिए 'लोकोक्ति या मुहावरों पर आधारित कहानी - लेखन' पर चर्चा करेंगे :

बच्चो ! आज का हमारा विषय लोकोक्ति पर आधारित कहानी है इसलिए आप सभी अपनी - अपनी पुस्तक एवं उत्तर - पुस्तिका निकाल लें और पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ। विषय पर चर्चा करते - करते आपसे कुछ प्रश्न भी पूछे जाएँगे। इसलिए आपको विषय पर ही अपना ध्यान केन्द्रित रखना आवश्यक है। आशा करती हूँ कि अब आप पढ़ने के लिए पूर्ण रूप से तैयार हैं।

बच्चो ! कहानी लेखन एक कला है। छात्रों को प्रश्न - पत्र में किसी लोकोक्ति, सूक्ति अथवा मुहावरे को देकर उस पर कहानी लिखने के लिए कहा जाता है। छात्रों द्वारा यह प्रश्न भी सही ढंग से किया जाना चाहिए।

छात्र निरंतर अभ्यास से ही इसे सुदृढ़ बना सकते हैं। इस प्रश्न को करते समय विद्यार्थियों को कहानी का एक रेखाचित्र मस्तिष्क में बना लेना चाहिए। तत्पश्चात् कथावस्तु संवाद, पात्र तथा उनका चरित्र सूक्ष्म ढंग से करना चाहिए। कहानी किसी उद्देश्य को लेकर लिखी गई हो तथा अंत में प्रभाव छोड़ने वाली हो। कहानी लिखते समय कहानी के तत्वों को ध्यान में रखना चाहिए। कहानी लेखन के मुख्य तत्त्व निम्नलिखित हैं :-(क) कथानक (ख) पात्र (ग) संवाद अथवा कथोपकथन तथा (घ) शैली।

कहानी में दिए गए विषय से संबंधित प्रमुख घटनाएँ ही कथानक हैं। घटना का संबंध जिन व्यक्तियों से होता है, वे पात्र कहलाते हैं। पात्रों की बातचीत या कथन ही संवाद हैं और कहानी लिखने का तरीका ही उसकी शैली होती है।

कहानी लिखने से पहले विद्यार्थियों को दिए गए विषय का अर्थ ठीक ढंग से समझकर कहानी की एक रूपरेखा अपने मस्तिष्क में बना लेनी चाहिए।

बच्चो! कहानी लिखते समय कुछ निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना अति आवश्यक है, तभी एक अच्छी कहानी लिखी जा सकती है।

दिए गए मुहावरे या लोकोक्ति को अथवा किसी संकेत को ध्यान से पढ़ना चाहिए। यह ध्यान रहे कि कहानी का मूल भाव लोकोक्ति अथवा दिए गए संकेत के अंदर छिपा है। कहानी में आवश्यक घटना को ही विस्तार दिया गया हो। कहानी का आरंभ और अंत प्रभावोत्पादक होने चाहिए। कहानी की भाषा सहज व सरल होनी चाहिए तथा संवाद संक्षिप्त होने चाहिए।

मुख्य रूप से कहानी लिखने के लिए निरंतर अभ्यास की अत्यंत आवश्यकता है।

कक्षा - दसवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण (लोकोक्ति पर आधारित कहानी)

बच्चो ! अब मैं आपको एक उक्ति पर आधारित कहानी को विस्तार से बताने जा रही हूँ। आपका ध्यान इसी ओर ही केन्द्रित रहे, यह आवश्यक है।

'दूध का दूध और पानी का पानी'

कहा जाता है कि हंस पक्षी दूध का दूध और पानी का पानी करना अच्छी तरह जानता है। सच्चाई क्या है, नहीं मालूम परन्तु इस उक्ति का अर्थ है - 'निष्पक्ष न्याय होना'। इस उक्ति पर आधारित मुझे एक कहानी याद आ रही है, जो इस प्रकार है :-

एक गाँव में एक हलवाई रहता था। उसका परिवार बहुत बड़ा था। गाँव की छोटी-सी दुकान से परिवार का गुजारा बहुत कठिनाई से होता था। अब उसने गाँव में अपना कारोबार बंद करके शहर में जाकर काम करने का निश्चय किया। उसने शहर में दुकान किराए पर लेकर अपना हलवाई का काम आरंभ कर लिया। धीरे-धीरे उसकी बिक्री बढ़ने लगी। अब वह दो क्विंटल दूध प्रतिदिन बेचने लगा फिर भी ज्यादा कमाई नहीं हुई। उसे इतना लाभ नहीं होता था कि वह सारे परिवार का निर्वाह करके लड़कियों के लिए कुछ पैसे जोड़ सकता। यही चिंता उसे खाए जा रही थी।

एक दिन उसने एक दूसरे हलवाई को अपनी परेशानी बताई। उसने अपनी चतुराई का बखान करते हुए कहा, "लाला जी शहर में ईमानदारी से काम नहीं बनता। तुम दो क्विंटल दूध रोज़ बेचते हो। मैं केवल एक क्विंटल दूध बेचता हूँ। दो साल में घर का खर्च चलाने के अलावा मैंने एक हवेली खड़ी कर दी है। थोड़े दिनों में दुकान खरीदकर किराए की दुकान से बच जाऊँगा। दो क्विंटल में आधा क्विंटल पानी मिलाया जा सकता है। तनिक चतुराई से काम लो।"

दूसरे हलवाई की बात सुनकर गाँव वाले हलवाई का मन डोल गया और उसने भी दूध में पानी मिलाना शुरू कर दिया। फिर क्या था? जो उसने दो साल में नहीं बचाया था, वह उसने दो महीने में बचा लिया। इधर उसे शहर में अपनी लड़की के लिए एक लड़का पसंद आ गया और उसने अपनी लड़की के विवाह की तैयारी शुरू कर दी। शादी से चार दिन पहले वह पाँच सौ रुपए की थैली लेकर गाँव को चला। रास्ते में एक पेड़ के नीचे थैली को सिरहाने रखकर वह सो गया। जब वह सोकर उठा तो थैली को न देखकर हक्का-बक्का रह गया। इतने में उसकी दृष्टि वृक्ष पर बैठे बंदर पर पड़ी। बंदर ने थैली में खाने का सामान समझकर उसे उठा लिया पर मन की आशा पूरी न होने पर वह रुपयों को अचरज से देखने लगा तथा उसके साथ खिलवाड़ करना शुरू कर दिया। वह एक रुपया नदी में फेंकता और एक ज़मीन पर। हलवाई के डराने-धमकाने पर भी उसने अपनी हरकत बंद नहीं की। हारकर हलवाई ने ज़मीन पर गिरे पैसों को उठाकर एकत्रित किया तो वे पाँच सौ से ढाई सौ ही रह गए। हलवाई वृक्ष के नीचे बैठकर रोने लगा। इतने में एक राहगीर उधर से गुज़रा। हलवाई की सारी बात सुनने के बाद उसने कहा कि बंदर ने दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया।

इस प्रकार हलवाई के दूध के पैसे पृथ्वी पर और पानी के पैसे पानी में चले गए।

बच्चो! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी। प्रश्न सुनकर आप अपनी ऑडियो को तीन मिनट के लिए रोक देंगे तथा उस दौरान पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 1. कहानी लेखन को किस प्रकार सुदृढ़ बनाया जा सकता है?

प्रश्न 2. कहानी लेखन का क्रम किस प्रकार से होना चाहिए ?

प्रश्न 3. 'दूध का दूध, पानी का पानी' — उक्ति का अर्थ लिखिए।

बच्चो ! उत्तर लिखने के लिए दिया गया समय अब समाप्त हो चुका है। आशा करती हूँ कि आपने पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। उन प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. कहानी लेखन एक कला है अत: निरंतर अभ्यास से ही इसे सुदृढ़ बनाया जा सकता है।

उत्तर 2. कहानी लेखन का क्रम निम्न प्रकार से होना चाहिए:- (क) कथानक (ख) पात्र (ग) संवाद (घ) शैली।

उत्तर 3. 'दूध का दूध पानी का पानी' — उक्ति का अर्थ है 'निष्पक्ष न्याय होना।

बच्चो ! आशा करती हूँ कि आपको उपर्युक्त लोकोक्ति पर आधारित कहानी समझ में आ गई हो। इसके अर्थ को समझकर आप स्वयं भी कहानी बनाने का प्रयास करें। अब मैं आपको वाच्य परिवर्तन पर आधारित एक पुनरावृत्ति तैयार करके भेज रही हूँ। यह विषय आपको कक्षा नौवीं में करवाया गया था। इस पुनरावृत्ति को आप अपनी-अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे एवं इसे स्वयं हल करने का प्रयास भी करेंगे।

★ **पुनरावृत्ति**

निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए :-

1. गुरु जी गीता पढ़ाते हैं। (कर्मवाच्य में)
2. रमेश अभी सोएगा। (भाववाच्य में)
3. मुझसे पत्र लिखा गया। (कर्तृवाच्य में)
4. वह नहीं खेलता। (भाववाच्य में)

5. अध्यापक ने विद्यार्थियों को डाँटा। (कर्मवाच्य में)
6. ममता से खाना पकाया जा रहा है। (कर्तृवाच्य में)
7. राधा नहीं पढ़ती है। (भाववाच्य में)
8. वे जाते हैं। (भाववाच्य में)
9. राम ने रावण को मारा। (कर्मवाच्य में)
10. भारत द्वारा नया उपग्रह छोडा गया। (कर्तृवाच्य में)
11. राजू से तेज़ नहीं दौड़ा जाता। (कर्तृवाच्य में)
12. पक्षी आकाश में उड़ते हैं। (भाववाच्य में)
13. सुरेश मिठाई लाएगा। (कर्मवाच्य में)
14. वह खाता है। (भाववाच्य में)
15. मैंने रमा को पत्र लिख दिया है। (कर्मवाच्य में)

★ गृहकार्य

सभी छात्र अपनी-अपनी व्याकरण की पुस्तक की पृष्ठ संख्या 96 पर दी लोकोक्ति पर आधारित कहानियाँ आठ से चौदह तक पढ़ेंगे एवं समझेंगे। इन्हें समझकर छात्र इनको अपने शब्दों में भी स्वयं लिखने का प्रयास करेंगे।
सभी छात्र उपर्युक्त दी गई पुनरावृत्ति को करने से पहले पुस्तक की पृष्ठ संख्या 283 एवं 284 को ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे एवं समझेंगे फिर इस पुनरावृत्ति को करेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]